

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काजी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड बनेगा 'जंकरीन'; उरमानाबाद-बीड-संभाजीगर (औरंगाबाद) का भी होगा कनेक्टर।

बजरंग सोनवणे ने रेल मंत्री वैष्णव से की मुलाकात

बीड़: (संवाददाता) अहेलियानगर (अहमदनगर)-बीड़-परली रेलवे मार्ग का काम तेजी से जारी है। बीड़ तक तेज गति से रेल परीक्षण भी किया गया है, और अगले साल तक परती तक का काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद परली से मुंबई जाने वाली ट्रेनें बीड़ के रास्ते से गुजरेंगी। इस बीच, यदि येडशी-बीड़-जालना या धाराशिव (उरमानाबाद)-बीड़-औरंगाबाद रेलवे मार्ग को मंजूरी मिलती है, तो बीड़ एक बड़ा रेलवे जंक्शन बन सकता है। इसी उद्देश्य से सांसद बजरंग सोनवणे ने १० फरवरी को दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अधिकारी वैष्णव से मुलाकात की। इस बैठक में नए रेलवे मार्ग को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई।

बीड़ को रेलवे कनेक्टिविटी मिलने से बड़े उद्योगों का होगा विकास।



है।

सांसद बजरंग सोनवणे ने लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद सबसे पहले रेलवे परियोजनाओं पर ध्यान दिया। उनकी कोशिशों का नतीजा यह रहा कि सिर्फ ६-७ महीनों में अंमलनेर से बीड़ तक रेलवे शुरू हो गई।

अब, अगर जालना से येडशी या धाराशिव से औरंगाबाद रेलवे मार्ग

संभाजीगर (औरंगाबाद) रेलवे लाइन के लिए ४,८५७.४७ करोड़ के अनुमानित बजट को मंजूरी देना।

अहमदनगर-बीड़-परली रेलवे मार्ग पर बार्शी नाका (बीड़) में एक नया रेलवे स्टेशन/स्टॉप बनाने की मंजूरी।

अहमदनगर-बीड़-परली रेलवे मार्ग की शेष भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को तुरंत पूरा करना।

केंद्रीय रेल मंत्री ने दिया आश्वासन।

अहमदनगर-बीड़-परली रेलवे मार्ग को जल्द पूरा करने के लिए बीड़ में १८ जून २०२४ को हुई बैठक में रेल अधिकारियों के साथ एक समयबद्ध कार्यक्रम तय किया गया था। इस बैठक के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्य पूरा करने के निर्देश दिए और अन्य सभी परियोजनाओं पर ध्यान देकर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

इसके अलावा, औरंगाबाद-गुंदूर, नांदेझ-बैंगलुरु और पनवेल-नांदेझ ट्रेनों के लिए सर्वेक्षण करना। प्रस्तावित धाराशिव (उरमानाबाद)-बीड़-

गेवराई जि.प. उर्दू कन्या कनिष्ठ महाविद्यालय में ३ रिक्त शिक्षक पदों को पवित्र पोर्टल के माध्यम से भरा जाए

पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित से शिष्टमंडल ने की मुलाकात!

गेवराई (प्रतिनिधि):

गेवराई स्थित *ः जिला परिवद उर्दू कनिष्ठ महाविद्यालय में तीन रिक्त शिक्षक पदों को पवित्र पोर्टल के माध्यम से भरने की मांग को लेकर शिक्षा प्रेमी नागरिकों के शिष्टमंडल ने सोमवार, १० फरवरी २०२५ को सुबह राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित से मुलाकात कर उन्हें लिखित ज्ञापन सौंपा और इस विषय पर चर्चा की। इस मौके पर अमरसिंह पंडित ने आधासन दिया कि इस मुद्दे को हल करने के लिए वे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी से मुलाकात कर उन्हें लिखित पत्र देंगे।

क्या है शिष्टमंडल की मांग?

ज्ञापन में कहा गया है कि गेवराई स्थित जिला परिषद कन्या प्रशाला के अंतर्गत संचालित इस उच्च माध्यमिक विद्यालय (११वीं, १२वीं - कला शाखा) को सरकारी अनुदान प्राप्त हुआ है और



तीन शिक्षक पदों की स्वीकृति भी मिल चुकी है, लेकिन अब तक इन पदों को भरा नहीं गया है।

इस बजह से बीड़ जिले का यह एकमात्र अल्पसंख्यक उर्दू भाषी कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय पिछले २४ वर्षों से पहले लोकवार्ती (जनसंख्या) से और अब सिर्फ एक प्रतिनियुक्ति के रूप में कार्यरत है।

२४ वर्षों से जारी शिक्षा सेवा, लेकिन अब भी अनदेखी।

पिछले २४ वर्षों में इस उच्च माध्यमिक विद्यालय से हजारों छात्राएं उत्तीर्ण हो चुकी हैं, और इनमें से कई गरीब परिवारों की बेटियां स्नातक, स्नातकोत्तर, डी.एड., बी.एड. की पढ़ाई पूरी कर चुकी हैं। कई छात्राएं जिला परिषद और अन्य संस्थानों में शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं।

जब यह अत्यंत संख्यक उर्दू भाषी छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, तो इस उच्च माध्यमिक विद्यालय से हजारों छात्राओं योगदान दे रहा है।

जारी यह अत्यंत संख्यक उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षिका की नियुक्ति के लिए, सरकार द्वारा स्वीकृत पदों को तुरते हैं और सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना चला रही है, तो फिर इस विद्यालय की अनदेखी वर्षों की जा रही है? यह सवाल उठाया गया है। इस लापराही के कारण छात्राओं का शैक्षणिक नुकसान हो रहा है।

शिष्टमंडल की मुख्य मांग:

छात्राओं के शैक्षणिक नुकसान को रोकने और विद्यालय में शिक्षिका की नियुक्ति के लिए, सरकार द्वारा स्वीकृत पदों को तुरते हैं।

पाटोदा (प्रतिनिधि): पाटोदा मंत्री

जारी में नया पक्ष क्यों निकालूँगी? ऐसा की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित अखंड हरिनाम सप्ताह, पंचकुंडी महायज्ञ और श्री भगवान शंकर की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में वे बोल रही थीं।

इस अवसर पर मीराबाई संस्थान के महात्म ह. भ. प. राधातार्की सानप, उद्योगपति विवेक देशपांडे, भाजपा के जिलाध्यक्ष शंकर देशपूर्ख, विजय गोंधल, मधुकर गजरे, महेंद्र गजरे, अजय थोंडे, अनिलद्वारा सानप, सूर्यभान बारके आदि उपस्थित थे।

जारी में नया पक्ष क्यों निकालूँगी? ऐसा

की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित अखंड हरिनाम सप्ताह, पंचकुंडी महायज्ञ और श्री भगवान शंकर की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में वे बोल रही थीं।

इस अवसर पर मीराबाई संस्थान के

महात्म ह. भ. प. राधातार्की सानप,

उद्योगपति विवेक देशपांडे,

भाजपा के जिलाध्यक्ष शंकर देशपूर्ख,

विजय गोंधल,

मधुकर गजरे,

महेंद्र गजरे,

अजय थोंडे,

अनिलद्वारा सानप,

सूर्यभान बारके

आदि उपस्थित थे।

PARLI positive+ news

उद्योग जगत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले परली के भरत गिरे का १६ फरवरी को सम्मान

परली (तामीर न्यूज़)

तोरल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त उद्योगपति भरत गिरे का १६ फरवरी को सम्मान एवं संवाद समारोह आयोजित किया गया है। यह केवल सम्मान समारोह नहीं होगा, बल्कि थेट अन् ग्रेट: भरतभेट के रूप में एक अनोखा आयोजन होगा। इस कार्यक्रम में सभी परलीवासियों से उपस्थित रहने की अपील की गई है।

तोरल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की अंतर्राष्ट्रीय पहचान

हाल ही में तोरल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जो कि एक जर्मन कंपनी है, बड़े स्तर पर चर्चा में रही है। दावों में भारत और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के बीच हुए निवेश समझौतों में इस कंपनी ने एक प्रमुख भूमिका निभाई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वयं दावों में जाकर अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों का निवेश महाराष्ट्र में लाने का प्रयास किया, जो राज्य के लिए गौरव की बात है।

लेकिन इससे भी अधिक गर्व की बात यह है कि महाराष्ट्र के ही, विशेष रूप से परली के भूमिपूर्व, उद्योगपति भरत गिरे ने एक अंतर्राष्ट्रीय कंपनी के प्रमुख के रूप में मुख्यमंत्री के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया।

परली की मिट्टी की असली ताकत उजागर हुई यह क्षण हर परलीवासी के लिए गर्व का विषय था। इससे यह साबित हुआ कि परली की मिट्टी में असीम संभावनाएं और प्रतिभा छिपी हैं। विभिन्न क्षेत्रों में कई प्रतिभाशाली परलीवासी अपनी कार्यक्रमता की छाप छोड़ रहे है

बाशी नाका रेलवे स्टेशन (ठहराव) होगा



निवेदन में रखी गई प्रमुख मांगें: १. बाशी नाका इमामपुर रोड पर रेलवे स्टेशन (रेलवे ठहराव) बनाया जाए। २. राशन अनाज, खाद, सीमेंट जैसी सामग्रियों को रेलवे के जरिए वेपरहाऊस में संग्रहित किया जाए। समिति ने बताया कि बीड रेलवे स्टेशन पहले से ही बाशी नाका इमामपुर रोड, प्रकाश आंडेकर नगर में मंजूर विया गया था, लेकिन इसे पालवन में बनाया गया, जो कि बीड शहर से ७-८ किमी दूर है। इससे नागरिकों को काफी असुविधा

हो रही है। पालवन रेलवे स्टेशन से अहमदनगर जाने के लिए ५० रुपये का खर्च आता है, जबकि बीड शहर से पालवन स्टेशन तक पहुंचने के लिए १००-१५० रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इसलिए पालवन रेलवे स्टेशन नागरिकों के लिए सुविधाजनक नहीं है।

समिति की अन्य महत्वपूर्ण मांगें:

जब तक बीड से यात्री ट्रेनों का संचालन शुरू नहीं होता, तब तक राशन अनाज, खाद और सीमेंट जैसी सामग्रियों को बाशी

नाका रेलवे स्टेशन पर बने गोदामों में स्टोर किया जाए। इससे रेलवे को भी आर्थिक लाभ होगा। बाशी नाका से मंडी, कृषि उपज बाजार समिति, एमआईडीसी, सामाहिक बाजार, आढ़त बाजार, बस स्टॉड, जिलाधिकारी कार्यालय, तहसील कार्यालय, समाज कल्याण कार्यालय, जिला अस्पताल, एसपी ऑफिस, जिला न्यायालय, सरकारी दूध डेवरी, महिला अस्पताल, जिला खेल मैदान और १५% स्कूल एवं कॉलेज नजदीक हैं। यह क्षेत्र चारों दिशाओं से हाईवे से जुड़ा है।

समिति की अन्य महत्वपूर्ण मांगें:

जब तक बीड से यात्री ट्रेनों का संचालन शुरू नहीं होता, तब तक राशन अनाज, खाद और सीमेंट जैसी सामग्रियों को बाशी

मंत्री पंकजा मुंडेने दिलाया भरोसा

बीड (प्रतिनिधि): महाराष्ट्र राज्य की पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे बीड दौरे पर आई थीं। इस अवसर पर बाशी नाका रेलवे स्टेशन क्रियाशील समिति के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर निवेदन सौंपा।

हुआ है, जिससे बाशी नाका इमामपुर रोड रेलवे स्टेशन पर ट्रैफिक की समस्या नहीं होगी। रेलवे बोर्ड ने पहले ही इस क्षेत्र में जमीन खरीदकर चार बड़ी इमारतें तैयार कर दी हैं, इसलिए यहां रेलवे स्टेशन (रेलवे ठहराव) बनाना उचित होगा।

मंत्री से रेलवे ठहराव की मांग

समिति ने मंत्री पंकजा मुंडे से बाशी नाका इमामपुर रोड पर रेलवे स्टेशन (रेलवे ठहराव) बनाने की विनाप्राप्ति की।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष गम्भत

भाऊ भंडारी, कार्याधीक्ष खुशीद आलम, सुशीला ताई भोराळे, बी.बी. जाधव, अमरत सारडा, सुमील सुरवरो, संजय उडान, डॉ. लक्ष्मण ढवले, एम.डी. जाधव, सुपीर भंडवले, राजू जोगदंड, गोरख शिंगण, जाकिर भाई, अमाल पातल, नवील उजाना, रघुशं पंडित, अविनाश झांसे, मुवीन जुबेरी, महेश शिंगण, शर्विक तांबोली, सुमील युंगाळ, रमेश पटेल, स्वेश भालशंकर, वर्जीर अतार, अमोल अहिरे, सनूप पटेल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।



विक्रमादित्य चंपावती महोत्सव का भव्य पुरस्कार वितरण संपन्न!



बीड (प्रतिनिधि): कला के अनोखे महाकुंभ के रूप में पहचाने जाने वाले विक्रमादित्य चंपावती महोत्सव का पुरस्कार वितरण समारोह भव्य उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस महोत्सव में १४,००७ बाल कलाकारों की भागीदारी

के कारण, यह लिप्ता गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज होने की दहलीज पर पहुंच गया है।

१ फरवरी से ८ फरवरी तक आयोजित चंपावती महोत्सव में नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला और रंगोली

जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। इनमें ३६४ विजेती बाल कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए गए। ट्रिक्लिंग स्टार स्कूल और आदर्श विद्यालय बने महाकरंडक विजेता इस महोत्सव में नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला और

रंगोली स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सर्वाधिक पुरस्कार जीतने वाले इंशिश मीडियम के ट्रिक्लिंग स्टार स्कूल और मराठी मीडियम के आदर्श विद्यालय ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे महाकरंडक का खिलाब अपने नाम किया।

इसके अलावा, ज्येष्ठ संगीतकार भरत अण्णा लोल्हे, नृत्य विशेषज्ञ सौ. अनुराधा निकम, नाट्य कलाकार महेंद्र खिल्हारे, नृत्यकर्मी वैभवी टाकणखर और समाजसेवी डॉ. गणेश ढवले को चंपावती सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

१० वीं और १२ वीं की परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा १४४ लागू

समाप्त होने तक प्रभावी रहेगा।

नकल रोकने के लिए कई पांचांदी परीक्षा के दौरान कई असामाजिक तत्व और बाहरी लोग परीक्षा केंद्रों के आसपास शातिरूप वातावरण बनाए रखने, और कानून एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अविनाश पाठक ने फौजदारी प्रक्रिया संहिता १७३ की धारा १४४(२) के तहत परीक्षा केंद्रों के १०० मीटर के दौरान में प्रतिबंध लागू करने का आदेश दिया है।

इस आदेश के तहत, १०वीं और १२वीं के परीक्षा केंद्रों के १०० मीटर के दौरान में बाहरी व्यक्तियों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

मुख्यमंत्री की 'रिवतीर्थ' पर हुई मुलाकात का 'राज' अब भी राज!

एक घंटे की चर्चा से सियासी हलकों में अटकले तेज

मुंबई (जमीर काजी):

महज दस दिन पहले हुए विधानसभा चुनाव में महायुति को मिले प्रचंड बहुमत पर खुलकर सवाल उठाने वाले मनसे प्रमुख राज ठाकरे से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनके निवास स्थान 'शिवतीर्थ' जाकर एक घंटे तक चर्चा की। हालाँकि, मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस मुलाकात को पूरी तरह पारिवारिक बताया, लेकिन इसके बावजूद राजनीतिक हलकों में अटकलों का दौर शुरू हो गया है।

अब यह चर्चा जोरों पर है कि राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे को भाजपा कोटे से विधान परिषद में जगह मिलेगी या फिर आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में मनसे भाजपा के साथ गठबंधन करेगी। हालाँकि, राज और फडणवीस के बीच हुई चर्चा का विवरण सामने नहीं आया,

लेकिन विपक्ष ने इस मुलाकात पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

राज ठाकरे की ईवीएम और भाजपा पर तीखी आलोचना के बाद फडणवीस की मुलाकात!

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने ३० जनवरी को वरली में हुई जनसभा में विधानसभा चुनाव नीति पर आश्र्य जताते हुए ईवीएम मरीन, भाजपा और महायुति सरकार की कड़ी आलोचना की थी। इसके कुछ ही दिनों बाद, आज सुबह करीब १० बजे मुख्यमंत्री फडणवीस सीधे राज ठाकरे के निवास 'शिवतीर्थ' पहुंचे। इस दौरान राज ठाकरे और उनकी पत्नी शर्मिला ठाकरे ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने वहाँ करीब एक घंटे तक चर्चा की। इस मुलाकात में मनसे नेता बाला नांदगांवकर, सरदेशाई और संदीप देशपांडे भी मौजूद



थे। फडणवीस ने कहा - यह सिर्फ एक पारिवारिक मुलाकात थी!

मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह कोई राजनीतिक बैठक नहीं थी। उन्होंने बताया कि जब में मुख्यमंत्री बना, तब राज ठाकरे ने मुझे बधाई देने के लिए फोन किया था, और उस

हालाँकि, राजनीतिक हलकों में यह अटकलें तेज हैं कि इस मुलाकात में निश्चित रूप से राजनीतिक चर्चा हुई होगी। माना जा रहा है कि माहीम विधानसभा चुनाव में पराजित हुए अमित ठाकरे को विधान परिषद में भजने और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा-मनसे गठबंधन की संभावनाओं पर चर्चा हुई होगी।

उद्धव ठाकरे गुट का हमला - राज ठाकरे का राजनीतिक महत्व खत्म हो रहा है, इसलिए उनकी बातों या उनसे मिलने वाले लोगों से महाराष्ट्र की राजनीति पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उहोंने आगे कहा, महाराष्ट्र की जनता ही नहीं, बल्कि खुद मनसे के पादिधिकारी भी जानते हैं कि राज ठाकरे चुनावों से पहले भाजपा के खिलाफ बोलते हैं, लेकिन जैसे ही चुनाव नजदीक आते हैं, वे भाजपा समर्थक हो जाते हैं। उन्हें कोई गंभीरता से नहीं लेता।

सुषमा अंधारे ने यह भी कहा कि राज ठाकरे की ईवीएम विद्यारिक स्थिरता नहीं है, वे बार-बार अपनी भूमिका बदलते रहते हैं। इसलिए, वाहे फडणवीस उनके पास जाएं या राज ठाकरे फडणवीस से मिलने जाएं, यह अब एक आम बात हो चुकी है।

<div style="background-color: #f0e68c; padding: 10